CLASS : 12th (Sr. Secondary) **2066/2016**
Series : SS-M/2017
Total No. of Printed Pages : **16**

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

PHILOSOPHY

ACADEMIC/OPEN

(Only for Fresh Candidates)

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

(i) *Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*

(ii) *Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*

(iii) *Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*

(iv) Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.

(v) Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.

(vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.

(vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.

(viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.

(ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If

the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.

(x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.

(xi) Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

(i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

(ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।

(iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।

(iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।

(v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।

(vi) मुख्य-परीक्षकों/ उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही हैं, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

खण्ड – अ

SECTION – A

(निबन्धात्मक प्रश्न)

(Essay Type Questions)

नोट : प्रश्न संख्या **1** से **5** तक निबन्धात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **4** ***अंक*** का है।

Question Nos. **1** to **5** are essay type questions. Each question carries **4** marks.

1. अनेकान्तवाद का अर्थ — Meaning of Anekantvada

अनेकान्तवाद और स्यादवाद के बीच सम्बन्ध — Relation between Anekantvada and Syadvada

2. कर्म का अर्थ — Meaning of Karma

कर्मयोग का अर्थ और परिभाषा — Meaning and definition of Karma yoga

कर्मयोग और निष्काम कर्मयोग — Karma yoga and Niskam Karma yoga

3.	पुरुषार्थ का अर्थ	Meaning of Purusartha
	धर्म पुरुषार्थ	Dharm Purusartha
	अर्थ पुरुषार्थ	Artha Purusartha
	काम पुरुषार्थ	Kaama Purusartha
	मोक्ष पुरुषार्थ	Moksha Purusartha
4.	अनुमान की परिभाषा	Definition of Anumana
	अनुमान के आधार	Grounds of Anumana
	साधन	Sadhan (Hetu)
	साध्य	Sadhya
	पक्ष	Paksha
	अनुमान के प्रकार	Types of Anumana
5.	परमसत्ता अर्थात ब्रह्म का स्वरूप	Nature of Ultimate Reality (Brahman)

निर्गुण ब्रह्म	Nirgun Brahman
ब्रह्म और ईश्वर	Brahman and God
ब्रह्म और आत्मा	Brahman and Soul (Aatma)
ब्रह्म और जगत	Brahman and World

अथवा

OR

Meaning and Explanation of the theory of Preventive of Punishment.

खण्ड – ब

SECTION – B

(लघूत्तरात्मक प्रश्न)

(Short Answer Type Questions)

नोट : प्रश्न संख्या **6** से **12** तक लघु उत्तरात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **3** अंक का है।

Question Nos. **6** to **12** are short answer type questions. Each question carries **3** marks.

6. वेदों में ऋत का अर्थ

Meaning of Rta in Vedas

ऋत और कर्म	Rta and Karma
ऋत और धर्म	Rta and Dharma
ऋत और सत्य	Rta and Satya
ऋत और नैतिकता	Rta and Morality

7. प्रथम आर्य सत्य का अर्थ और परिभाषा।
(सर्वम, दुःखम्)

Meaning and definition of first noble truth. All is suffering (Sarvam Dukham).

प्रसन्नता भी क्षणिकवाद के कारण दुःख ही है।

Happiness is also suffering due to momentriness.

8. द्रव्य का अर्थ और परिभाषा।

Meaning and definition of substance (Dravye)

द्रव्य के प्रकार :

Types of substance :

पृथ्वी

Earth

जल

Water

वायु

Air

अग्नि

Fire (Light)

आकाश

Eather (Sky)

दिक्

Space (Dik)

काल

Time (Kaal)

आत्मा

Soul (Aatma)

मन

Mind (Man)

9.	अनुभववाद की परिभाषा	Definition of Empiricism
	अनुभव ज्ञान का स्त्रोत है	Experience is the mean of knowledge
	ज्ञान जन्मजात नहीं है	Knowledge is not innate
10.	उपादान कारण की परिभाषा	Definition of Material cause
	उपादान कारण की व्याख्या	Explanation of Material cause
11.	ईश्वर का अस्तित्व	Existence of God
	ईश्वर के अस्तित्व के लिए विश्वकारणमूलक प्रमाण की व्याख्या	Explanation of cosmological proof only for the existence of God

12. वस्तुवाद का अर्थ Meaning of Realism

वस्तुवाद की परिभाषा Definition of Realism

खण्ड – स

SECTION – C

(अति लघूत्तरीय प्रश्न)

(Very Short Answer Type Questions)

नोट : प्रश्न संख्या **13** से **23** तक अति लघुत्तरात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Question Nos. **13** to **23** are very short answer type questions. Each question carries **2** marks.

13. भारतीय दर्शन आध्यात्मिक है।

Indian Philosophy is Spiritualistic.

14. स्यादवाद सापेक्षता का सिद्धान्त है, जिसे सप्तभंगीनय भी कहा जाता है।

Syadvada is the theory of relativity which is also called Supta-bhangi-Naya

15. यम - सत्य Yama – Satya (Truthfulness)

अहिंसा Ahimsa (Non-Violence)

अस्तेय Asteya (Non-stealing)

अपरिग्रह Aprigraha (Non-acceptance)

ब्रह्मचर्य Brahamcharya (Control of the carnal desires and passions)

16. 'वादरायण' वेदान्त दर्शन का संस्थापक था।

'Vadrayan' was the founder of Vedanta Philosophy.

17. बुद्धिवाद एक ऐसा विचार है, जो यह कहता है कि ज्ञान का प्रमुख स्त्रोत बुद्धि है।

Rationalism is the view that regards reason as the main source of knowledge.

18. काण्ट का समीक्षात्मक दर्शन बुद्धिवाद और अनुभववाद का समन्वय करता है।

Kant's Critical Philosophy reconciles between Rationalism and Empiricism.

19. कारण किसी भी घटना का पूर्ववर्ती भाग है।

Cause means the antecedent part of any event

20. स्वरूप कारण किसी भी वस्तु का सम्प्रत्यय या विचार है। जैसे मूर्तिकार के मन में मूर्ति का विचार स्वरूप कारण है।

Formal cause is the concept or idea of the thing. The idea of the statue in the mind of the sculptor is the formal cause.

21. सत्तामूलक प्रमाण के अनुसार ईश्वर की सत्ता ही अपने-आप में ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करती है। सत्तामूलक प्रमाण निष्कर्ष के तौर पर ईश्वर की सत्ता के अतिरिक्त कुछ नहीं है बल्कि यह विश्लेषणात्मक, अनुभवपूर्व और आवश्यक आधार है, जो यह कहता है कि ईश्वर का अस्तित्व है।

Ontological arguments are arguments from nothing but analytic, a priori and necessary premises to the conclusion that God exists.

22. स्पिनोजा के अनुसार मानसिक और शारीरिक क्रियाएँ एक-दूसरे के समानान्तर चलती हैं। इस सिद्धान्त को मन-शरीर समानान्तरवाद के नाम से भी जाना जाता है।

According to Spinoza mental processes and physical processes run parallel to each other. The theory is also known as psycho-physical Parallelism.

23. (i) प्रतिकारवादी सिद्धान्त Retributive theory

(ii) निवर्त्तनवादी सिद्धान्त Preventive theory

(iii) सुधारवादी सिद्धान्त Reformative theory

खण्ड – द

SECTION – D

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

(Objective Type Questions)

नोट : प्रश्न संख्या **24** से **40** तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **1** अंक का है।

Question Nos. **24** to **40** are objective type questions. Each question carries **1** mark.

24. सत्य

True

25. असत्य

False

26. असत्य

False

27. सत्य

True

28. सत्य

True

29. सत्य

True

30. सत्य

True

31. असत्य

False

32. सत्य

True

33. असत्य

False

34. सत्य

True

35. असत्य

False

36. असत्य

False

37. सत्य

True

38. सत्य

True

39. सत्य

True

40. असत्य

False